बरैया का बयान समाज में जहर घोलने वाला : सीएम

बरैया के बयान के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 17 जनवरी. कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के महिलाओं को लेकर दिए दूषित बयान पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्रियों ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है.

वहीं इंदौर, भोपाल एवं जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी एवं कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर बरैया से सार्वजनिक माफी एवं कांग्रेस से निष्कासन की मांग की.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने समाज में जहर घोलने वाला बयान दिया है. विधायक बरैया का यह बयान कांग्रेस पार्टी की महिला और दलित विरोधी सोच को उजागर करता है. बरैया ने अपने बयान से सामाजिक विद्वेष फैलाने का काम किया है, जो किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है. राहुल गांधी ने इंदौर में विधायक फूल सिंह बरैया के साथ मंच साझा किया. राहुल गांधी का यह कदम क्या

बरैया के बयानों को मौन सहमति व स्वीकारोक्ति मानी जाए? राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी विधायक बरैया पर कार्रवाई करते हुए पार्टी से बाहर निकालें. बरैया के खिलाफ राहुल गांधी कोई कार्रवाई नहीं करते तो यह माना जाएगा कि अन्य समाजों को लेकर उनके मन में कोई सम्मान नहीं है.

मध्यप्रदेश शासन की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के बयान पर कहा कि भाजपा सरकार और हमारी पार्टी के नेता महिला सशक्तिकरण, सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर हर संभव प्रयास कर रहे हैं. इसके विपरीत कांग्रेस के कुछ नेता और विधायक फूल सिंह बरैया जैसे लोग महिलाओं को लेकर शर्मनाक और विवादित बयान दे रहे हैं. मैं ऐसे बयानों की घोर भर्त्सना और कड़ी निंदा करती हूं. मेरी राहुल गांधी से स्पष्ट मांग है कि वे इस तरह के बयान देने वाले नेताओं को तत्काल पार्टी से निष्कासित करें.

प्रदेश भर में हुआ प्रदर्शन, जलाया पुतला

कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा महिलाओं को लेकर दिए गए शर्मनाक बयान पर भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन कर पुतला जलाया. भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी से फूल सिंह बरैया को निष्कासन की मांग करते हुए उनका पुतला जलाया. इसके साथ ही प्रदेश के अन्य सभी जिलों में भी महिला मोर्चा द्वारा विरोध प्रदर्शन कर बरैया से सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए पुतला जलाया गया.

➦ सार्वजनिक रूप से माफी मांगे : खंडेलवाल

वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी मंचों से महिला सम्मान और सशक्तिकरण की बातें करती हैं, लेकिन अपनी ही पार्टी के विधायक द्वारा दिए गए महिला विरोधी और अमर्यादित बयानों पर उनकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है. यह चुप्पी स्पष्ट करती है कि यह कोई व्यक्तिगत भूल नहीं, बल्कि कांग्रेस की नीति और मानसिकता का हिस्सा है. कांग्रेस के लिए नारी सम्मान कोई मूल्य नहीं, बल्कि केवल एक वोट बैंक बनकर रह गया है. यह मामला केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि दलित समाज की अस्मिता, संविधान की आत्मा और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा हुआ है. प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि क्या यही कांग्रेस की असली सोच है? क्या ऐसे बयानों पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी उनकी सहमति मानी जाए? उन्होंने कहा कि भाजपा की स्पष्ट मांग है कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें.

➦ घिनौनी टिप्पणी अस्वीकार्य : अर्चना चिटनिस

भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस ने कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के बयान को अत्यंत शर्मनाक बताते हुए कहा कि कोई जनप्रतिनिधि महिलाओं के साथ हो रहे अपराध और बलात्कार जैसे जघन्य विषय पर इतनी घिनौनी टिप्पणी कर सकता है. कांग्रेस पार्टी को बरैया के खिलाफ नोटिस जारी कर पार्टी से निष्कासित करना चाहिए.

➦ संस्कृति को विकृत कर रही है कांग्रेस : अश्विनी

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने फूल सिंह बरैया के बयान पर कहा कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराध को 'तीर्थ' से जोड़ने का प्रयास न केवल घोर आपत्तिजनक है, बल्कि भारतीय संस्कृति और नारी सम्मान की परंपरा का अपमान भी है. भाजपा और महिला मोर्चा नारी सम्मान के किसी भी अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसके खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रहेगा.

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

कामयाब रहा डैमेज कंट्रोल

पिछले दिनों राजधानी में जमीन से जुड़े एक बड़े सरकारी कॉडर की नाराजगी दूर करने की बड़ी पहल की गई. डैमेज कंट्रोल की इस मुहिम के लिये एक आनुषांगिक संगठन ने मोर्चा संभाला. उन्होंने नारदजी की भूमिका का निर्वहन पूरी जवाबदेही से किया. एक संदेश इधर दिया और दूसरा संदेश उधर दिया. जब दोनों ही तरफ से पाजिटिव रिस्पांस मिला तो फिर क्या था, एक बड़ा मजमा लग गया राजधानी में. दोनों ही तरफ से भावनाएं जाहिर की गईं. बस फिर क्या था कि जो बात लगभग एक माह पहले बिगड़ती नजर आ रही थी, वह अब वापस पटरी पर आती दिख रही है. अब ऐसे समय जब सरकार अभियान पर अभियान चला रही है, तो फिर इस अमले से अब मुस्तैदी से मैदान संभाल लिया है.

द्वार-द्वार दस्तक का दौर

प्रदेश के एक कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री इन दिनों बड़े नेताओं के द्वार-द्वार दस्तक दे रहे हैं. दरअसल ये दस्तक वे वापस ट्रैक पर आने के लिये किसी तिकड़म का हिस्सा नहीं है, बल्कि भावनाएं नेक है. नेताजी एक धार्मिक कार्य करने जा रहे हैं, जो कि संभवत: प्रदेश और देश में इस तरह का पहला आयोजन होगा. इस आयोजन को अद्वितीय बनाने का बीड़ा उन्होंने उठाया है, लिहाजा वे पुनीत कार्य में सभी बड़े दिग्गजों को सहभागी बनाना चाहते हैं. इसलिये वे पूरा परिश्रम कर रहे हैं. अब देखना ये है कि इस भव्य और दिव्य आयोजन का उन्हें आने वाले दिनों में क्या प्रतिफल मिलता है.

तेवर, तल्खी और नसीहत

भाजपा नेतृत्व अपने नेताओं के सार्वजनिक आचरण को लेकर लगातार नसीहत देते ही रहते रहता है कि उन्हें सार्वजनिक जीवन में मर्यादित आचरण करना चाहिए, लेकिन लगता है कि इस नसीहत का असर ग्राउंड जीरो तक नहीं पहुंच पा रहा है. ये इसलिये कि एक पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक ने भरे मंच से ही अफसरों को गाली-गलौच कर दी. जब वे गाली-गलौच कर रहे थे, तब एक पूर्व केंद्रीय मंत्री भी मंच पर उनके साथ थे. विधायक के तेवर से वे भी बगले झांकने लगे. अब सवाल ये है कि नेताओं के तेवर और तल्खी के बीच नसीहत का असर क्यों नहीं हो रहा है.

साहब की समझाइश

पिछले दिनों मंत्रालय में अपनी समस्या को लेकर बेहद उच्च शिक्षित युवा एक एसीएस के पास पहुंचे. यहां उन्होंने अपनी मांग एसीएस के सामने रखी. उनका दर्द ये था कि उन्होंने बड़ी-बड़ी डिग्री ले रखी है लेकिन सरकार के जिस विभाग में उन्हें नौकरी लग सकती है, उस विभाग ने उनसे संबंधित भर्ती को लेकर कोई सुध ही नहीं ली. तब फिर साहब ने समझाया कि आखिर भर्ती निकल क्यों नहीं रही है. उनकी समझाईश का असर भी दिखा, डिग्रीधारियों को अहसास हुआ कि वे समय के साथ कदमताल करने में कुछ पीछे रह गये, इसलिये अब उनकी योग्यता की उतनी डिमांड नहीं रह गई है, जब डिमांड ही नहीं तो फिर आपूर्ति का सवाल ही नहीं.

कांग्रेस ने की एक दिवसीय भूख हड़ताल

विशेष संवाददाता

भोपाल, 17 जनवरी. मध्य प्रदेश कांग्रेस ने शनिवार को जिला अध्यक्ष प्रवीन सक्सेना के नेतृत्व में रोशनपुरा चौराहे पर एक दिवसीय भूख हड़ताल का आयोजन किया.

यह प्रदर्शन इंदौर नगर निगम द्वारा आपूर्ति किए गए दूषित पानी से हुई मौतों और हजारों लोगों के बीमार पड़ने के विरोध में किया गया. सभा को संबोधित करते हुए जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष शबिस्ता ज़की ने कहा कि मानव जीवन की क्षति और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने के बावजूद राज्य सरकार ने अब तक कोई सबक नहीं लिया है और न ही प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाए हैं. इस अवसर पर पूर्व प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल, प्रवक्ता

शहरयार खान, प्रवक्ता अभिनव बरोलिया, प्रवक्ता विम चौधरी, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, पूर्व हुजूर विधानसभा प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता ज़की, प्रदेश कांग्रेस महासचिव अमित शर्मा, पूर्व जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव राजकुमार सिंह, दीपचंद यादव, पूर्व जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कंसाना, युवा कांग्रेस कार्यकारी जिला अध्यक्ष अमित खत्री, प्रवक्ता जितेंद्र मिश्रा, पार्षद एवं ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण, पूर्व पार्षद वहीद लश्करी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष फहीम बख्श, विशेष राय सक्सेना, यशवंत यादव सहित राहुल सिंह राठौड़, दीपु तोमर, सोनू तोमर, अनिल जाधव और सुशील प्रजापति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

शबिस्ता जकी ने उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शोकाकुल परिवारों से मिलने इंदौर गए थे, लेकिन जिला प्रशासन ने उनके आवागमन को रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर दी. शबिस्ता ज़की ने कहा कि नगर निगम नागरिकों से भारी कर वसूलता है और शुद्ध पेयजल व स्वच्छता उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है. उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा तथा बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की.

नौकरी का झांसा देकर 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी

पंजाब के जालसाज और साथियों के खिलाफ केस दर्ज

नव भारत न्यूज

इंदौर, 17 जनवरी. छोटा बांगड़दा क्षेत्र में रहने वाले दो भाइयों के साथ आईटी दिग्गज 'गूगल' में नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 15.15 लाख रुपये की धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है.

जालसाजों ने फर्जी इंटरव्यू लेटर, जॉइनिंग लेटर और कंपनी एग्रीमेंट तक तैयार कर पीड़ितों को भेजे. मामले की गंभीरता को देखते हुए इंदौर क्राइम ब्रांच ने पंजाब के पटियाला निवासी मुख्य आरोपी ऋषभ कुमार और उसके साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. फरियादी स्मृति नगर निवासी आयुष कुमरावत ने पुलिस को बताया कि 2019 में उसका संपर्क ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए ऋषभ कुमार से हुआ. ऋषभ ने पहले वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन बनवाकर समय पर भुगतान किया और भरोसा जीत लिया. इसके बाद उसने दावा किया कि वह गूगल के एंटीवायरस विभाग में सीनियर जोनल हेड अमितोष भट्टाचार्य के अधीन काम करता है. उसने आयुष को डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर और उसके भाई पीयूष को हंगरी में सीनियर एग्जीक्यूटिव के पद पर नौकरी लगाने का लालच दिया था.

मां के सामने जिंदा जला बेटा

शहडोल. जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां कोतवाली थाना क्षेत्र के कठोतिया गांव में शनिवार सुबह करीब 3 बजे एक कच्चे घर में अचानक भीषण आग लग गई. उस समय घर में एक मां और उसका 18 साल का बेटा सो रहे थे, यहां देखते ही देखते मां के सामने बेटा जिंदा जल गया.

रेलवे पुलिस ने चोरी की संपत्ति बरामद की

विशेष संवाददाता

भोपाल, 17 जनवरी. मध्यप्रदेश शासन रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है. दो अलग-अलग चोरी के मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने 24 लाख रुपये से अधिक की चोरी की संपत्ति बरामद की है.

यह सफलता पुलिस की सतत सतर्कता, प्रभावी टीमवर्क और तकनीकी सहयोग का परिणाम बताई जा रही है. पहला मामला जीआरपी इटारसी से संबंधित है, जहां एक महिला यात्री ने ट्रेन यात्रा के दौरान अपने पर्स से नकदी, मोबाइल फोन और सोने के आभूषण चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी. चोरी गई सामग्री

की कुल कीमत लगभग 8.22 लाख रुपये आंकी गई थी. सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया. रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई और खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई की गई.

दूसरे मामले में जीआरपी ग्वालियर (एनजी) ने निरंतर जांच, मुखबिरों की सूचना और सघन चेकिंग के दौरान रेलवे क्षेत्र में संपत्ति चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया. आरोपियों के कब्जे से नकदी, ट्रांसफॉर्मर की पावर सप्लाई के दो ड्रम, छिले हुए एल्यूमिनियम तार के 11 बोरे और एक लोहे की खुरचनी बरामद की गई, जिनकी कुल कीमत लगभग 19.13 लाख रुपये है. इन दोनों कार्रवाइयों के माध्यम से जीआरपी ने कुल 24.59 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की है. यह उपलब्धि रेलवे पुलिस की रणनीतिक सतर्कता और अपराधमुक्त एवं सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है.

ग्वालियर के खिलाड़ी अनिरुद्ध चौहान का गोपीचंद फुलेला अकादमी में चयन

ग्वालियर. जिले के उभरते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ी अनिरुद्ध चौहान का चयन देश की प्रतिष्ठित गोपीचंद फुलेला बैडमिंटन अकादमी में हुआ है. यह चयन अनिरुद्ध की निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का प्रतिफल है.अनिरुद्ध चौहान के चयन पर उनके कोच ने कहा कि अनिरुद्ध में प्रारंभ से ही असाधारण खेल प्रतिभा दिखाई दी, जिसे निरंतर प्रशिक्षण और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा है. नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने भी अनिरुद्ध चौहान को बधाई देते हुए उनकी सफलता की सराहना की. उन्होंने कहा कि अनिरुद्ध जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी न केवल ग्वालियर बल्कि मध्य प्रदेश का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे.

2.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा मंदसौर

09 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

भोपाल, 17 जनवरी. मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का तेज दौर लगातार जारी है, जिसको लेकर मौसम विभाग ने पहले से ही अलर्ट जारी कर दिया था. इस कड़ी में शनिवार के दिन प्रदेश के शहडोल, कटनी, शाजापुर में ठंड ने अपना शीतलहर के रूप में तेज रूप दिखाया.

इसके साथ ही राजगढ़, ग्वालियर, सतना, दतिया जिलों में घने से हल्के कोहरे का असर देखने को मिल रहा है. कोहरे के प्रकोप ने मध्यप्रदेश वासियों के कामकाज में बड़ी बाधा पैदा कर दी है. इस तेज ठंड के दौर में मंदसौर सबसे ठंडा रिकॉर्ड किया गया. जहां न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री दर्ज किया गया.

बड़े शहरों में भोपाल सबसे ठंडा

पांच बड़े शहर: भोपाल में 7.4 डिग्री, इंदौर में 9 डिग्री, ग्वालियर में 8.2 डिग्री, उज्जैन में 10 डिग्री और जबलपुर में पारा 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

राजगढ़, शाजापुर, आगर में कोल्ड वेव का अनुमान

मध्यप्रदेश सर्द हवाओं का दौर लगातार लोगों को परेशान कर रहा है. जिस बीच मौसम विभाग के अनुसार एमपी के 9 से ज्यादा जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है. इसमें राजगढ़, शाजापुर, आगर, मंदसौर, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, मैहर शामिल हैं. जहां तेज कोल्ड वेव पड़ने का अनुमान है.

प्रदेश में जल्द मावठा गिरने के आसार

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, इस समय वेस्टर्न डिस्टरबेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हवाओं में ट्रफ के रूप में बना हुआ है. मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ मौसम में तेज ठंड बनी रहेगी. ग्वालियर-चंबल, भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर में ठंड रातें रिकॉर्ड हो रही हैं. जबकि ग्वालियर-चंबल में दिन में भी ठंड पड़ रही है.

निरीक्षण | सीएम ने यूका परिसर का किया दौरा, कहा- परिसर का विकास करेगी सरकार

गैस कांड के दिवंगतों की याद में बनेगा स्मारक

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 17 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को राजधानी के आरिफ नगर स्थित यूनियन कार्बाइड परिसर पहुंचें. यहां वे बिना मास्क के फैक्ट्री के कोर एरिया में गये और परिसर का बारीकी से जायजा लिया. वे ऐसा करने वाले प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे.

इस तरह उन्होंने ये संदेश दिया कि कभी राजधानी के साथ देश और दुनिया को डरा देने वाले इस परिसर में किसी तरह का कोई डर नहीं है और ये सुरक्षित है. यहां रखे जहरीले कचरे को पहले ही पीथमपुर में निष्पादन कर राख में तब्दील किया जा चुका है. इस

दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अब यूनियन कार्बाइड परिसर का भी विकास कराएगी. यहां गैस कांड के दिवंगतों की याद में स्मारक बनाया जाएगा.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 2 और 3 दिसम्बर 1984 की दरमियानी रात भोपाल में मिथाइल आइसोसायनाइट एमआईसी गैस का रिसाव एक भीषण दुर्घटना थी. घटना में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए. करीब 40 साल तक रासायनिक कचरा यहां पड़ा रहा. हमारी सरकार ने माननीय उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में बिना किसी पर्यावरण नुकसान और मानव हानि के यहां के रासायनिक कचरे का सफलतापूर्वक निष्पादन करवाया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हम समाज के सभी वर्गों एवं प्रभावित पक्षों को विश्वास में लेकर यूनियन कार्बाइड परिसर का विकास करेंगे और माननीय उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में अब स्वच्छ हो चुके इस परिसर में भोपाल गैस त्रासदी में दिवंगत व्यक्तियों की स्मृति में एक स्मारक बनाएंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी गैस पीड़ितों के साथ हर कदम पर खड़ी है. प्रभावितों के कल्याण में हम कोई कमी नहीं रखेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अधिकारियों से इस परिसर में स्मारक निर्माण के संबंध में जानकारी ली. .

क्षेत्र को लावारिस छोड़कर बड़ी लापरवाही की

निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस का रिसाव मप्र की ही नहीं, देश की सबसे भीषण गैस त्रासदी थी. वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात इस फैक्ट्री से गैस के दुष्प्रभाव के कारण भोपाल ने मौत का जो मंजर देखा, वह हमारी स्मृतियों से कभी हटेगा नहीं. गैस त्रासदी के बाद तत्कालीन सरकार ने इस क्षेत्र को लावारिस छोड़कर बड़ी लापरवाही की. उन्होंने फैक्ट्री में फैले जहरीले कचरे को हटाने कोई निर्णय नहीं लिया.

सरकार ने राजधानी के माथे से कलंक मिटाने का किया काम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हमारी सरकार ने कोर्ट के सभी निर्देशों पर अमल करते हुए पिछले साल यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का निष्पादन कराया. यह दुनिया के लिए एक संदेश भी है कि किस प्रकार आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से जहरीले कचरे को बिना पर्यावरण/मानव हानि के खत्म किया जा सकता है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने राजधानी के माथे से इस कलंक का मिटाने का कार्य किया है. इसके लिए गैस राहत विभाग सहित सभी संबंधित प्रभावित पक्ष भी बधाई के पात्र हैं।

पेज का एक शेष

मैं राजनीति करने नहीं, लोगों से मिलने आया हूं

राशि के चेक सौंपे. पीड़ित परिवारों से चर्चा के बाद राहुल गांधी ने पत्रकारों से सरकार पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इंदौर में लोग पानी पीकर मर रहे हैं और इसे सरकार का अर्बन मॉडल कहा जा रहा है. गांधी ने कहा कि जिन परिवारों से वे मिले हैं, उनमें लोगों की मौत हुई है और कई लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पतालों में भर्ती है. पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है. सारे परिवार दूषित पानी पीने के बाद बीमार पड़े हैं. इंदौर ही नहीं कई और शहर भी है, जहां साफ पानी नहीं दिया जा रहा है.

राहुल गांधी ने बताया कि स्थानीय रहवासियों ने उन्हें बताया कि जिस पानी की टंकी को समाधान का प्रतीक बताया जा रहा है, वह केवल एक सिंबल बनकर रह गई है. आज भी लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है. कुछ दिनों के लिए बैन लगाया जाता है और फिर वही दूषित पानी दोबारा सप्लाई कर दिया जाता है. लोग चाहते हैं कि सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए और स्थाई समाधान निकाले.

राजनीति नहीं, मदद करने आया हूं

राजनीति करने के सवाल पर राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि वे यहां किसी राजनीति के लिए नहीं, बल्कि पीड़ितों की मदद और समर्थन के लिए आए हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता होने के नाते यह उनकी जिम्मेदारी है कि जहां देश में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा, वहां उनकी आवाज उठाई जाए. राहुल गांधी ने कहा कि मैं पीड़ितो के साथ खड़ा हूं.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14